प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

स्व. इन्द्रमणि बडोनी की जन्म शताब्दी पर विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

पंतनगर। 24 दिसम्बर 2025। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के प्रणेता, अहिंसा और जनआंदोलन के प्रतीक तथा 'उत्तराखंड के गांधी' के रूप में विख्यात स्वर्गीय श्री इन्द्रमणि बडोनी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभागार में श्रद्धांजलि एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आगमन स्व. इन्द्रमणि बडोनी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण तथा विश्वविद्यालय गीत के सामूहिक गायन से हुई।

कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. इन्द्रमणि बडोनी केवल उत्तराखंड राज्य आंदोलन के नेता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, अहिंसा और जनसरोकारों के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि स्व. बडोनी ने अत्यंत साधारण जीवन जीते हुए असाधारण लक्ष्य प्राप्त किया। उनका संपूर्ण संघर्ष अहिंसा, धैर्य, सत्य और जनभागीदारी पर आधारित था, जो आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्व. बडोनी ने बिना किसी पद, सत्ता या संसाधन के जनचेतना को संगठित कर उत्तराखंड की जनता की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया। उनका जीवन यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व त्याग, समर्पण और जनविश्वास से जन्म लेता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज जब समाज विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में स्व. बडोनी के विचार युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि हमारा दायित्व है कि हम नई पीढ़ी को स्व. इन्द्रमणि बडोनी के विचारों, संघर्ष और मूल्यों से परिचित कराएं, ताकि सामाजिक न्याय, समानता, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों को और अधिक सशक्त किया जा सके। इस अवसर पर कुलसचिव डा. दीपा विनय ने स्व. इन्द्रमणि बडोनी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे उत्तराखंड की अस्मिता, स्वाभिमान और जनआकांक्षाओं के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि स्व. बडोनी ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद जनचेतना को संगठित कर एक ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा किया। उनका जीवन सादगी, निष्ठा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। कार्यक्रम में स्व. इन्द्रमणि बडोनी के जीवन परिचय एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रस्तुत किए गए पहाड़ी गीतों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभागार को भावनात्मक एवं सांस्कृतिक वातावरण से भर दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और स्व. इन्द्रमणि बडोनी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।